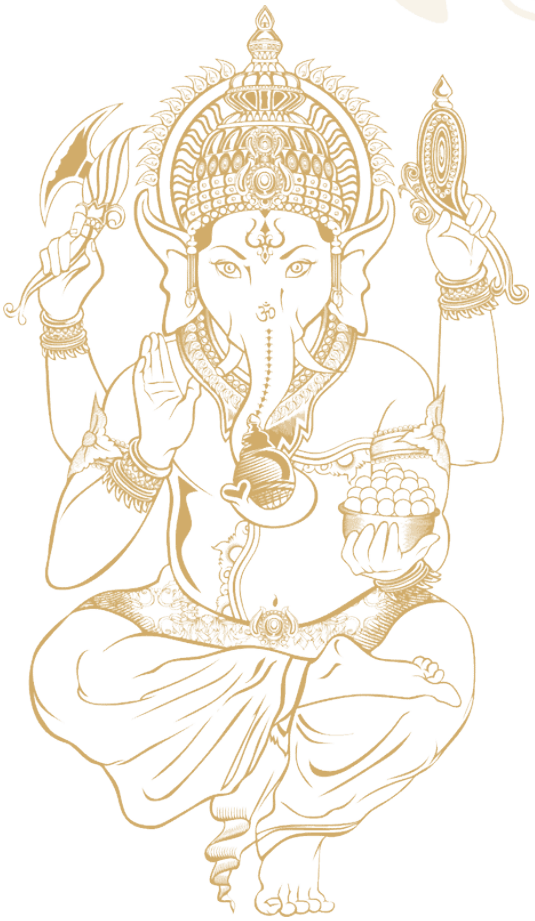

?????? ???????

27 Jan 1999

12:45 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121704405

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**26-27/01/1999**
दिन	मंगल-बुधवार
जन्म समय	**00:45:00 घंटे**
इष्ट	43:50:52 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	00:23:52 घंटे
वेलान्तर	-00:12:27 घंटे
साम्पातिक काल	08:46:25 घंटे
सूर्योदय	07:12:39 घंटे
सूर्यास्त	17:54:48 घंटे
दिनमान	10:42:09 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	12:32:35 मकर
लग्न के अंश	12:28:24 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**कृतिका - 4**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	ब्रह्म
करण	गर
गण	राक्षस
योनि	मेष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	गरूड़
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	ए-एकलव्य
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	12:28:24	310:07:12	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	---
सूर्य			मक	12:32:35	01:00:59	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	शत्रु राशि
चंद्र			वृष	08:59:35	14:17:27	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	मूलत्रिकोण
मंगल			तुला	06:16:55	00:24:24	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	चंद्र	सम राशि
बुध		अ	मक	06:49:29	01:38:49	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	बुध	सम राशि
गुरु			मीन	02:33:58	00:11:47	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	स्वराशि
शुक्र			कुंभ	03:49:10	01:14:50	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
शनि			मेष	03:39:03	00:03:02	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	सूर्य	नीच राशि
राहु	व		कर्क	28:22:43	00:01:23	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	शत्रु राशि
केतु	व		मक	28:22:43	00:01:23	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	शत्रु राशि
हर्ष			मक	18:33:15	00:03:29	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
नेप			मक	08:10:58	00:02:16	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
प्लूटो			वृश्चि	16:03:23	00:01:30	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	---
दशम भाव			कर्क	15:19:36	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:29

लग्न-चलित

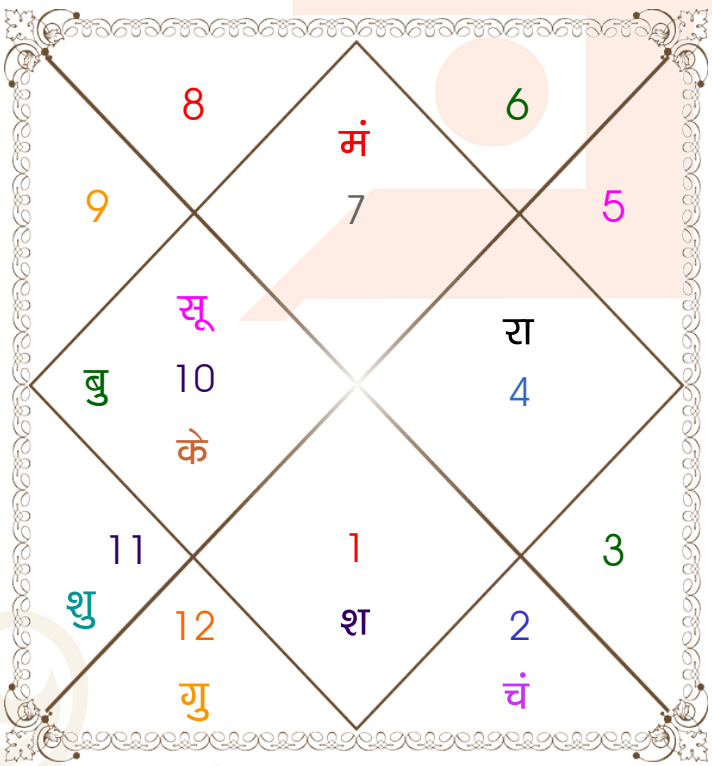

चन्द्र कुंडली

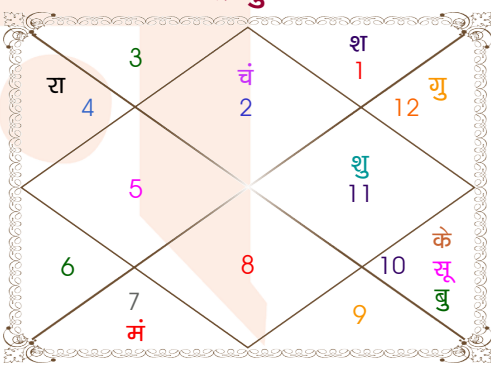

नवमांश कुंडली

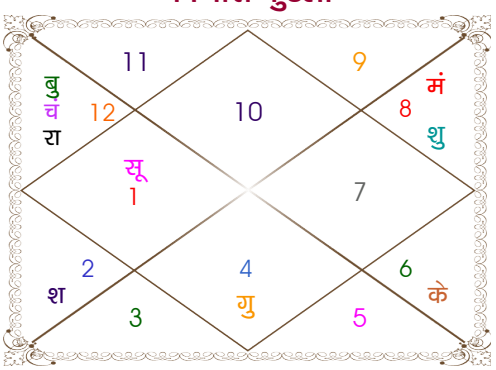

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 0 वर्ष 5 मास 13 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
27/01/1999		11/07/1999		11/07/2009		10/07/2016		11/07/2034	
11/07/1999		11/07/2009		10/07/2016		11/07/2034		11/07/2050	
	00/00/0000	चंद्र	10/05/2000	मंगल	07/12/2009	राहु	23/03/2019	गुरु	28/08/2036
	00/00/0000	मंगल	09/12/2000	राहु	25/12/2010	गुरु	16/08/2021	शनि	11/03/2039
	00/00/0000	राहु	10/06/2002	गुरु	01/12/2011	शनि	22/06/2024	बुध	16/06/2041
	00/00/0000	गुरु	10/10/2003	शनि	09/01/2013	बुध	09/01/2027	केतु	23/05/2042
	00/00/0000	शनि	11/05/2005	बुध	06/01/2014	केतु	28/01/2028	शुक्र	21/01/2045
	00/00/0000	बुध	10/10/2006	केतु	04/06/2014	शुक्र	28/01/2031	सूर्य	09/11/2045
	00/00/0000	केतु	11/05/2007	शुक्र	04/08/2015	सूर्य	22/12/2031	चंद्र	11/03/2047
	27/01/1999	शुक्र	09/01/2009	सूर्य	10/12/2015	चंद्र	22/06/2033	मंगल	15/02/2048
शुक्र	11/07/1999	सूर्य	11/07/2009	चंद्र	10/07/2016	मंगल	11/07/2034	राहु	11/07/2050

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
11/07/2050		11/07/2069		11/07/2086		11/07/2093		12/07/2113	
11/07/2069		11/07/2086		11/07/2093		12/07/2113		28/01/2119	
शनि	14/07/2053	बुध	07/12/2071	केतु	07/12/2086	शुक्र	09/11/2096	सूर्य	29/10/2113
बुध	23/03/2056	केतु	03/12/2072	शुक्र	06/02/2088	सूर्य	09/11/2097	चंद्र	30/04/2114
केतु	02/05/2057	शुक्र	04/10/2075	सूर्य	13/06/2088	चंद्र	11/07/2099	मंगल	05/09/2114
शुक्र	01/07/2060	सूर्य	10/08/2076	चंद्र	12/01/2089	मंगल	10/09/2100	राहु	30/07/2115
सूर्य	13/06/2061	चंद्र	09/01/2078	मंगल	10/06/2089	राहु	11/09/2103	गुरु	18/05/2116
चंद्र	12/01/2063	मंगल	06/01/2079	राहु	29/06/2090	गुरु	12/05/2106	शनि	30/04/2117
मंगल	21/02/2064	राहु	26/07/2081	गुरु	05/06/2091	शनि	12/07/2109	बुध	06/03/2118
राहु	28/12/2066	गुरु	01/11/2083	शनि	13/07/2092	बुध	11/05/2112	केतु	12/07/2118
गुरु	11/07/2069	शनि	11/07/2086	बुध	11/07/2093	केतु	12/07/2113	शुक्र	28/01/2119

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 0 वर्ष 5 मा 13 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुला लग्न के उदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मकर नवमांश एवं कुंभ का द्रेष्काण भी उदित था। जो आपके लिए विशिष्ट प्रकार का सौभाग्य प्राप्ति का संकेत प्रदान कर रहा है। इसके प्रभाव से आपके जीवन में स्वास्थ्य, आरोग्य, धन एवं वासनात्मक सुखों से युक्त सुसज्जित जीवन का संकेत प्राप्त होता हैं।

आपका संपूर्ण जीवन सुव्यवस्थित एवं आनन्द से परिपूर्ण रूप से व्यतीत होगा। चाहे जो कुछ भी हो आप मात्र इसी संबंध में अन्वेषण करते रहते हो कि सुखी जीवन व्यतीत करने के लिए किस प्रकार क्या कार्य किया जाए-ताकि काफी लाभ हो, तथा आरामदायक जीवन यापन हेतु अन्य लोगों पर अपना प्रभाव डाला जाए। आप धनोपार्जन कर मित्रों की प्रसन्नता एवं भरण-पोषण देखभाल के साथ-साथ अपना वैवाहिक जीवन भी आनन्दपूर्वक व्यतीत करना चाहते हैं।

आप अपनी पत्नी की सभी बातें मानेंगे। आप अपनी पत्नी के साथ संभोगात्मक प्रदर्शन हेतु प्रेम संबंधित वृष्टि करते रहेंगे। आप सदैव दूसरों की दृष्टि के संबंध में कुछ बढ़ा-चढ़ा कर बातें करेंगे। लेकिन आप में नितांत संमोहक गुण विद्यमान है। आप सुंदरता का मूल्यांकन अपनी पसंद से करने में बहुत पसंदीदा व्यक्ति हैं।

आपके आवासीय साज-सज्जा उपयुक्त है ऐसा संदेह है। आप सदैव अच्छी प्रकार सुंदर चीजों को देखना चाहते हैं। आप ऐसा चाहते हैं कि आपका घर अच्छी साज-सज्जाओं से सुसज्जित रहे तथा छोटी-छोटी कलात्मक वस्तुएं घर की शोभा बढ़ाकर विशिष्ट प्रकार से दृश्य हो। यह कोई महत्त्व की बात नहीं कि उन वस्तुओं की कीमत क्या है। आप इन सभी कार्य को करने के लिए समर्थ हैं क्योंकि आप धनी हों आप इन चीजों के मूल्य में किसी प्रकार की कटौती नहीं करना चाहते। आप अपने वैचारिक योजना के अनुरूप अपनी कुशाग्रबुद्धि के अनुसार कार्य को पूर्ववत् करना चाहते हैं। आप एक शिक्षित व्यक्ति की तरह उद्यमपूर्वक अधिक मात्रा में इन वस्तुओं को प्राप्त करना चाहते हैं। मुख्यतः आपके जीवन को 30 वें वर्ष से 35 वें वर्ष के मध्य आपका समय लाभप्रद रहेगा।

आपको विश्वास है कि आपका भविष्य दर्शनीय होगा। अतएव आप ऐसा अनुभव करते हैं कि समन्वित साहसिक प्रयास से घरेलू वातावरण दर्शनीय हो जाएगा। आप अपने पसंदीदा मित्रों की नजरों में अथवा उनके दृष्टिकोण से शक्ति संपन्न दृश्य होना चाहते हैं। यह प्राप्त करना तब ही संभव है कि आप अपने कर्म व्यवसाय का संपादन बिना किसी भी संक्षिप्ता, भय अथवा आशंका की बिन्दु मात्र के ही करे तब ही संभाव्य है।

आप अपने जीवन के आध्यात्मिक पक्ष को बिना अदृश्य किए अर्थात् बिना महत्वहीन किए प्रायः सभी पक्ष से संभाव्य सफलता के लिए चिंतित एवं प्रयत्नशील रहेंगे। आप अपने अतिरिक्त समय में आध्यात्मिक दर्शन के संबंध में शिक्षा प्राप्त कर प्रदर्शित करना चाहते हैं। आप कतिपय परोपकारी कार्य संपादन कर अपने मित्रों एवं भाईयों को सहयोग प्रदान

करेंगे।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु इसका अर्थ यह नहीं है कि आप संभाव्य कतिपय रोगादि के प्रति सावधानी नहीं बरतें यथा मूत्र विकार, एकज्मिा, फोड़े फुन्सी। यद्यपि कुछ दिनों का आंशिक रोग है तथापि इन रोगों के प्रति भी सर्तकता बरतनी चाहिए।

कुछ असंभावित रोगों के प्रति घटना क्रमानुसार समय-समय पर रोग परीक्षण एवं समयानुकूल भोजनादि पर ध्यान देना चाहिए।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

यदि आप अपने व्यवहार हेतु अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक का प्रयोग करें, तो यह दिन आपके लिए लाभकारी प्रमाणित होगा। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक किसी भी दशा में अव्यवहृत हैं।

आपके लिए रंग हरा एवं पीला रंग अनुकूल नहीं है। परंतु आपके लिए स्पष्ट रूप से नारंगी, लाल, उजला रंग अत्याधिक लाभप्रदायक रंग है।